दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) वर्ष-२ ला अंक-५२ वा शनिवार २२ नवंबर २०२५ RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 किमत : २ रूपये पन्ने - ४

फडणवीस-शिंदे के बीच खामोशी अब भी बरकरार!

भाजपा-शिवसेना के बीच छिपा संघर्ष अब चरम पर

: जमीर काझी, मुंबई)
मुंबई:

नगरपालिका और पंचायत समिति चुनाव के प्रचार ने जोर पकड़ लिया है, ठीक उसी समय पक्षों के अंदर हो रही तोड़-फोड़ के कारण राज्य की महायुती सरकार के दो सबसे बड़े घटक दलों - भाजपा और शिवसेना (शिंदे गुट) के बीच दूरी लगातार बढ़ती जा रही है। कल्याण में दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के बीच मारपीट तक हो गई। वहीं पार्टी के सबसे बड़े नेता यानी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बीच का अबोला (खामोशी) भी दिन-ब-दिन गहराता जा रहा है।

शनिवार को हुतात्मा चौक के कार्यक्रम में अभिवादन करते समय एकनाथ शिंदे की बॉडी लैंग्वेज बहुत कुछ बयान कर रही थी। वहीं नेरुळ में छत्रपती शिवाजी महाराज की प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम में उन्होंने सीधे दांडी मार दी। इससे साफ हो गया कि महायुती में अभी भी सब कुछ ठीक-ठाक नहीं है।

राजनीतिक हलकों में यह आशंका जताई जा रही है कि इसका असर आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में जरूर दिखेगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण के नेतृत्व में शिंदे सेना के गढ़ में चल रही तोड़-फोड़ के खिलाफ उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अघोषित बगावत शुरू कर दी है। मंगलवार को हुई एक महत्वपूर्ण बैठक का सेना के सभी मंत्रियों (शिंदे को छोड़कर) ने बहिष्कार किया था। इसके दो दिन बाद ही शिंदे ने दिल्ली जाकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और अपनी सारी शिकायतों का पिटारा खोल दिया। चर्चा है कि शाह ने सिर्फ इतना कहा कि मेरी इन सारी घटनाओं पर नजर है और कोई खास सकारात्मक जवाब नहीं दिया। साथ ही यह भी अफवाह उड़ रही है कि केंद्रीय नेतृत्व ने फडणवीस को पूरी छूट दे रखी है।

इसी पृष्ठभूमि में गुरुवार को बिहार के मुख्यमंत्री नितीश कुमार के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री फडणवीस और उपमुख्यमंत्री अजित पवार एक साथ गए, लेकिन शिंदे ने अलग से यात्रा की और पूरी तरह अलिप्त रहे। समारोह में भी वे तीनों एक साथ नहीं दिखे।

हुतात्मा चौक के कार्यक्रम में जब फडणवीस और शिंदे आमने-सामने आए, तो दोनों ने सिर्फ औपचारिक नमस्ते की और कोई बातचीत नहीं हुई। शिंदे की बॉडी लैंग्वेज फिर एक बार सबके सामने थी। इससे एक बार फिर साबित हो गया कि महायुती के अंदर सब कुछ ठीक नहीं है।

पिछले कुछ दिनों से भाजपा बड़े पैमाने पर तोड़-फोड़ का खेल खेल रही है और सबसे ज्यादा निशाना शिंदे गुट की शिवसेना पर है। एकनाथ शिंदे इसका कड़ा विरोध कर रहे हैं। यही वजह है कि स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनाव की रौनक के बीच भी दोनों दलों का अंदरूनी झगड़ा बार-बार सामने आ रहा है। ताजा घटना में भाजपा के एक पूर्व नगरसेवक ने शिंदे गुट के विभाग प्रमुख को थप्पड़ जड़ दिया। कुल मिलाकर महायुती में सबकुछ आलबेल होने का दावा करने वालों के लिए ये तमाम घटनाएँ करारा जवाब हैं।

चिमुकली पर अत्याचार करने वाले नराधम को फांसी दो: मांग के लिए गेवराई में विशाल मोर्चा

सोनार समाज की ओर से १००% बंद

गेवराई (काझी अमान): मालेगाव तालुका के डोंगराळे गांव में चार साल की मासूम बच्ची कुमारी यज्ञा दुसाने के साथ अमानुषीय अत्याचार कर उसकी बेहद क्रूर तरीके से हत्या कर दी गई। इस घटना के विरोध में गेवराई सराफा एसोसिएशन, सराफा सुवर्णकार फेडरेशन और समस्त सुवर्णकार बंधुओं की ओर से गेवराई तालुका में पूर्ण बंद रखा गया। साथ ही आरोपी को तत्काल कठोर सजा देकर फांसी देने की मांग को लेकर तहसीलदार और पुलिस इंस्पेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। इस मोर्चे में गेवराई के नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए।

मालेगाव में इंसानियत को शर्मसार करने वाली यह घटना घटी। डोंगराळे गांव की चार साल की यज्ञा दुसाने के साथ एक हैवान ने पाशविक अत्याचार किया और उसके मुंह पर पत्थर रखकर बड़ी ही बेरहमी से उसकी हत्या कर दी। ऐसी नीच और राक्षसी मानसिकता वाले,

▶▶पान ४ पे

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कार्रवाई रद्द करने के लिए सचिन वाझे ने फिर दाखिल किया अर्ज!

मुंबई : जमीर काझी

महाविकास आघाड़ी सरकार के कार्यकाल में वसूली, मुकेश अंबानी के घर 'एंटीलिया' के बाहर जिलेटिन स्टिक वाली गाड़ी और मनसुख हिरेन हत्याकांड जैसे गंभीर मामलों में आरोपी बर्खास्त एपीआई सचिन वाझे को अब अपने कृत्यों पर पछतावा हो रहा है। उसने नया अर्ज दाखिल कर दावा किया है कि तत्कालीन गृहमंत्री अनिल देशमुख के इशारे पर ही वह वसूली कर रहा था, इसलिए उसके खिलाफ चल रही मनी लॉन्ड्रिंग की कार्रवाई रद्द की जाए। यह अर्ज उसने मुंबई सत्र न्यायालय में दाखिल किया है।

वाझे पिछले तीन साल से न्यायिक हिरासत में है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सत्यनारायण नावंदर की अदालत में गुरुवार को हुई सुनवाई में कोर्ट ने ईडी को २५ नवंबर तक अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

अर्ज में वाझे ने कहा है:

जांच एजेंसी ने उस पर लगाए आरोप सामान्य प्रकृति के हैं।

मुकदमा दर्ज करने से पहले क्रिमिनल प्रोसीजर कोड की धारा १९७ और महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम के तहत सरकार से अनिवार्य पूर्व अनुमति नहीं ली गई।

इसलिए ईडी द्वारा शुरू किया गया यह

▶▶पान ४ पे

भाजपा महायुती सरकार में महिलाओं-बेटियों की सुरक्षा भगवान भरोसे-हर्षवर्धन सपकाल

मालेगांव बलात्कार-हत्या के आरोपी को फांसी दी जाए

मुंबई : जमीर काझी

मालेगांव में तीन साल की मासूम बच्ची के साथ बलात्कार कर उसकी हत्या करने की घटना अत्यंत गंभीर और घोर निंदनीय है। इस जघन्य कांड ने साबित कर दिया है कि छत्रपति शिवाजी महाराज की इस पावन भूमि पर महिलाओं-बेटियों की सुरक्षा अब भगवान भरोसे छोड़ दी गई है। राज्य में अपराधियों में कानून का कोई खौफ नहीं रहा और महिला अत्याचारों की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं।

महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने शुक्रवार को मांग की कि मालेगांव मामले की सुनवाई फास्ट-ट्रैक कोर्ट में हो और आरोपी को फांसी की सजा दी जाए।

सपकाल ने कहा कि राज्य की कानून-व्यवस्था की स्थिति बेहद चिंताजनक हो चुकी है। कोयता गैंग, ड्रग्स माफिया, रेत माफिया, आका और 'खोके' का खुलेआम नंगानाच चल रहा है। सत्ताधारी दल के आशीर्वाद से अपराधी बेखौफ घूम रहे हैं। पिछले कुछ महीनों की घटनाएं बताती हैं कि सरकार के संरक्षण में गुंडागर्दी और माफिया राज पूरी तरह बेकाबू हो चुका है। अपराधियों, माफिया और भ्रष्ट तत्वों को सत्ताधारी दल में शामिल कर उन्हें 'पवित्र' किया जा रहा है। जब सरकार ही अपराधियों को संरक्षण दे रही हो तो उनका हौसला बढ़ना स्वाभाविक है, लेकिन सरकार को इसकी जरा भी परवाह नहीं।

पुलिस सिर्फ विपक्षी नेताओं पर कार्रवाई करने, उन्हें धमकाने और उनके फोन टैप करने के लिए छोड़ी गई है।

फलटण में डॉ. संपदा मुंडे को राजनीतिक-पुलिसिया उत्पीड़न से तंग आकर आत्महत्या करनी पड़ी। इस मामले में सत्ताधारी भाजपा के पूर्व सांसद रंजीतसिंह निंबालकर

▶▶पान ४ पे

बीड में अजित दादा की राष्ट्रवादी कांग्रेसने रणशिंग फूंक दिया!

आ. सना मलिक ने प्रेमलता पारवे और नगरसेवकों की जीत के लिए छेड़ा 'पैदल तूफान'

रैलियों और सभाओं को मिला ज़बर्दस्त जनसमर्थन

बीड (संवाददाता):

आगामी बीड नगर परिषद चुनाव के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित दादा पवार गुट), शिवसेना और शिवसंग्राम के मित्र पक्ष ने प्रचार का मैदान पूरी तरह दहला दिया है।

नगराध्यक्ष पद की धमाकेदार उम्मीदवार प्रेमलता दादाराव पारवे और सभी नगरसेवक उम्मीदवारों के समर्थन में फायरब्रांड नेत्री तथा आमदार सना मलिक ने आज पूरे शहर में पैदल रैली और तूफानी कोने की सभाओं का ऐसा झंझावात खड़ा किया कि सड़कें घड़ीमय हो गईं।

बीड में आमदार सना मलिक की पैदल रैली को जनता का भारी उत्स्फूर्त समर्थन मिला। रैली में नगराध्यक्ष पद की उम्मीदवार प्रेमलता पारवे के साथ-साथ नगरसेवक पद के उम्मीदवार फारुख पटेल, प्रिया डोईफोडे, शेख निज़ाम, महेश धांडे, अशफाक इनामदार, बिलालाल शेख, मोमीन जकियोद्दीन, जैतुल्ला खान, सादेकुजमा, मीना मनोज गोडसे, मोमीन जुबैर, हाफिज अशफाक सहित शेख तय्यबभाई, शेख मुजीबभाई, शेख जमील मामू, अलीम पटेल, शेख शकील, शेख इमरान, आवेज इनामदार, शेख फहीम, एड. सय्यद खाजा, पहलवान अल्फिया शेख आदि दर्जनों राष्ट्रवादी कांग्रेस और मित्र पक्षों के प्रमुख नेता-कार्यकर्ता कंधे से कंधा मिलाकर शामिल हुए।

शाम ४ से ५ बजे प्रभाग क्र. ६ में आमदार सना मलिक के नेतृत्व में निकली विशाल पैदल रैली कारंजा टॉवर से शुरू होकर अज़ीज़पुरा, किला मैदान, बलभीम चौक, कारंजा और पुराना बाजार तक पहुंची। इस 'पैदल तूफान' ने पूरे इलाके को घड़ी के निशान से भर दिया। सड़क के दोनों तरफ खड़ी भीड़ ने सना मलिक का ज़ोरदार स्वागत किया। रैली के जरिए उन्होंने लाखों मतदाताओं का दिल जीत लिया।

कोने की सभाओं में विरोधियों को सीधा और करारा चुनौती दी गई। पैदल रैली के बाद सना मलिक ने सीधे जनता से संवाद करते हुए विरोधियों की नीतियों पर तीखा हमला बोला। मोमीनपुरा की सभा में भी गजब का उत्साह था।

आमदार मलिक ने प्रेमलता दादाराव पारवे सहित राष्ट्रवादी कांग्रेस और मित्र पक्षों के सभी नगरसेवक उम्मीदवारों को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की। पूरी विजयी पैनल के लिए कार्यकर्ताओं की मजबूत फौज तैयार कर ली गई है।

सना मलिक ने बीड में परिवर्तन का नारा बुलंद किया है, जिससे राष्ट्रवादी कांग्रेस और उसके मित्र पक्षों का पलड़ा भारी हो गया है।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

एशिया न्यूज यूट्यूब चैनल और वेब पोर्टल का भव्य शुभारंभ

वक्फ बोर्ड अध्यक्ष समीर काझी के हाथों उद्घाटन

बीड (प्रतिनिधि) - शहर के बार्शी रोड स्थित होटल गोल्डन चॉईस में शुक्रवार २१ नवंबर २०२५ को सायंकाल ५ बजे 'एशिया न्यूज' यूट्यूब चैनल और वेब पोर्टल का भव्य समारोह में लॉन्च किया गया। महाराष्ट्र राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष समीर काझी ने फीता काटकर एवं बटन दबाकर इसका विधिवत उद्घाटन किया।

दिवंगत पत्रकार रईस खान फतेहाबादी का कुछ वर्ष पहले हृदयाघात से आकस्मिक निधन हो गया था। उस गहरे दुख से उबरते हुए उनकी सुशिक्षित एवं उच्च शिक्षिता पत्नी अस्मा रईस खान ने पति का अधूरा सपना पूरा करने का संकल्प लिया। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के जरिए समाज के कमजोर, गरीब और आम जनता की आवाज उठाने तथा उन्हें न्याय दिलाने के उद्देश्य से उन्होंने 'एशिया न्यूज' की नींव रखी। अब संपादिका अस्मा रईस खान यूट्यूब चैनल पर अपनी लेखनी से समाज के ज्वलंत मुद्दे उठाएंगी और वेब पोर्टल पर घटनाएं घटते ही तत्काल समाचार प्रकाशित करेंगी।

इस शुभारंभ समारोह में समाचार पत्रों के संपादक, वरिष्ठ पत्रकार, शिक्षकगण, व्यवसायी, राजनेता और समाजसेवी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। मंच पर मुख्य अतिथि समीर काझी के साथ ज्येष्ठ संपादक एवं मार्गदर्शक काझी मखदूम, पत्रकार जावेद पाशा, कार्यकारी संपादक साजेद सलीम, उपसंपादक रियाज़ खान, भाजपा नेता नवनाथ शिराळे, अल्पसंख्यांक नेता शेख इरशाद, ज्येष्ठ समाजसेवी एवं उद्यमी रमेशराव गंगाधरे, पुलिस जमादार शेख समीर बागवान, स्वतंत्र पत्रकार एस.एम. युसुफ, बिजनेस कोच अनीस शेख, फारोख कादरी , हाफेज मनसुर ,इलियास इनामदार, सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे। सभागृह खचाखच भरा था।

सभी मान्यवरों ने अस्मा रईस खान के इस साहस की भूरि-भूरि प्रशंसा की और कामयाबी की दुआएं देते हुए भरपूर शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम का कुशल संचालन एवं अंत में धन्यवाद ज्ञापन अब्दुल रहीम गुलाम साकिब ने किया।

विशेष बात यह रही कि वक्फ बोर्ड अध्यक्ष समीर काझी ने सभी संपादकों व उपस्थित लोगों से वक्फ पोर्टल पर जानकारी दर्ज करने की अपील की।

माजलगाव नगरपालिका चुनाव : नगराध्यक्ष पद पर ४ उम्मीदवार, २६ पार्षद सीटों के लिए १४६ मैदान में

माजलगाव (शेख मुजफ्फर)

राष्ट्रवादी (तुतारी) की महरीन शिफा चाऊस, कमल की संध्या मेंडके और घड़ी की महेरुनबी पटेल के बीच त्रिकोणीय मुकाबला

उबाठा की मशाल पर सोनाली पैंजणे अकेले लड़ेंगी लड़ाई

शिवसेना (शिंदे) की नामुष्की : नगराध्यक्ष पद की राधा येवले ने नाम वापस लिया, भाजपा की संध्या मेंडके के लिए फायदेमं

नगरपालिका के नगराध्यक्ष एवं पार्षद चुनाव में नाम वापसी के आखिरी दिन कुल २८ उम्मीदवारों ने अपना पर्चा वापस ले लिया। इसके बाद नगराध्यक्ष पद पर चार प्रमुख उम्मीदवार मैदान में रह गए हैं :

राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार) - महरीन शिफा बिलाल चाऊस

भारतीय जनता पार्टी - कु. संध्या ज्ञानेश्वर मेंडके

राष्ट्रवादी कांग्रेस (अजित पवार) - महेरुनबी खलील पटेल

शिवसेना (उद्धव ठाकरे) - सोनाली गोपाल पैंजणे

इसमें असली त्रिकोणीय मुकाबला चाऊस, मेंडके और पटेल के बीच होगा, जबकि सोनाली पैंजणे अकेले अपनी पार्टी की मशाल लिए लड़ रही हैं।

वहीं १३ प्रभागों की २६ पार्षद सीटों के लिए कुल १४६ उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं।

आ. प्रकाश सोळंके की अकेली जंग

विधानसभा चुनाव में भाजपा-शिंदे सेना और अजित पवार गुट ने मिलकर आ. प्रकाश सोळंके को विधायक बनाया, लेकिन नगरपालिका चुनाव में सोळंके ने इन सहयोगी दलों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। इसलिए भाजपा और शिंदे सेना ने एकजुट होने के संकेत दिए, पर शिंदे सेना के तुकाराम देवले को नगराध्यक्ष पद चाहिए था। जिले की सभी नगरपालिकाओं में भाजपा के पास नगराध्यक्ष पद है, इसलिए भाजपा ने माजलगाव की सीट शिंदे सेना को देने से इनकार कर दिया। नतीजा - गठबंधन नहीं हो सका।

शिंदे सेना की ओर से सौ. राधा तुकाराम येवले ने नगराध्यक्ष पद के लिए पर्चा भरा था और कुछ प्रभागों में भी उम्मीदवार उतारे थे। लेकिन अचानक सिर्फ येवले ने ही नाम वापस ले लिया। इसको लेकर तरह-तरह की चर्चाएं चल रही हैं। अगर भाजपा-शिंदे सेना में सच्चा गठबंधन होता तो भाजपा के कुछ पार्षद उम्मीदवार नाम वापस लेते - तब समझा जाता कि सही गठबंधन हुआ है। प्रकाश सोळंके की एकाकी लड़ाई और कमजोरियां

वास्तव में अगर सोळंके इस चुनाव में भाजपा के साथ गठबंधन करते तो आज शहर में उनका दबदबा कायम रहता और नगराध्यक्ष पद पर जबरदस्त द्विपक्षीय मुकाबला होता। लेकिन येवले के नाम वापस लेने से भाजपा की कु. संध्या मेंडके का पलड़ा भारी हो गया है। शहर में सोळंके को मानने वाले वोटर कम हैं, इसलिए उन्हें शहर से भारी मतों का नुकसान होगा। साथ ही ओबीसी विरोधी छवि और दलित-मुस्लिम वोटों का साथ न मिलना भी इस चुनाव में उन्हें भारी पड़ेगा।

जगताप, पोटभरे, चाऊस का पलड़ा भारी सोळंके ने जगताप, पोटभरे और चाऊस की नगराध्यक्ष उम्मीदवारी रद्द करवाने के लिए खुद चुनाव निर्णय अधिकारी के सामने बैठकर दबाव डाला, लेकिन सफल नहीं हुए। जगताप ने पूर्व नगराध्यक्ष नानाभाऊ शिंदे और सय्यद कालू नूर को अपनी पार्टी में लिया, फिर भी प्रभाग ३ और ८ में तुतारी चिन्ह गायब हो गया (नूर और मनियार ने गलती से अपना पर्चा वापस ले लिया)। इसके बावजूद अभी जगताप, पोटभरे और चाऊस का पलड़ा ही भारी दिख रहा है।

डॉ. मोहम्मद नासेर बागवान को AMP ने नेशनल एजुकेशन एक्सीलेंस अवॉर्ड-२०२५ से सम्मानित किया।

बीड : डॉ. मोहम्मद नासेर मोहम्मद उस्मान बागवान, असिस्टेंट प्रोफेसर, उर्दू डिपार्टमेंट, मिलिया आर्ट्स साइंस एंड मैनेजमेंट साइंस कॉलेज, बीड को लखनऊ के ऐशबाग इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया में एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनल्स (AMP) ने नेशनल एजुकेशन एक्सीलेंस अवॉर्ड-२०२५ से सम्मानित किया। AMP ने डॉ. मोहम्मद नासेर बागवान को हायर एजुकेशन में बेहतरीन काम के लिए इस प्रतिष्ठित नेशनल लेवल के अवॉर्ड के लिए चुना। AMP का यह अवॉर्ड शिक्षा के प्रति उनके समर्पण और समाज के प्रति उनकी सेवा को और मजबूत करता है। अंजुमन इशाते तालीम बीड के प्रेसिडेंट डॉ. सलीम अहमद बिन महफूज, सेक्रेटरी खान सबीहा बाजी ने उन्हें इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मोहम्मद इलियास फाजील ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। उप प्राचार्य प्रोफेसर हुसैनी एस एस, प्रोफेसर शेख फिरोज इलियास, शेख समी सर, शेख नईम सर, लहू अगम, उर्दू विभाग के डॉ काजी अर्शिया जबीन, मुजम्मिल फारूकी, लाइब्रेरियन आमेर सलीम, कार्यालय अधीक्षक शेख रिजवान, सभी शिक्षक और कर्मचारियों, रिश्तेदारों, दोस्तों और सहकर्मियों ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के अधिकृत उम्मीदवार सौ. स्मिता विष्णू वाघमारे एवं विष्णू भैया वाघमारे ने प्रचार दौरे के दौरान बीड के जुना मोंढा स्थित सिद्धिविनायक एग्रो ट्रेडर्स का दौरा किया। इस अवसर पर जगदीशजी मंत्री, पारसमल बागमार, सुशील कासट, भीमराव काले, विष्णू तांदळे, गणेश भोज, प्रमोद निनाळ, जय किशोर बियाणी के साथ शंकर जगताप एवं राजाभाऊ बनसोडे भी उपस्थित रहे।

विक्रमगड में ११ साल के छात्र पर तेंदुए ने किया हमला, स्कूल बैग ने ऐसे बचा ली जान

मुंबई। प्रतिनिधी

विक्रमगड तालुका के उटावली आदर्श विद्यालय में पढ़ने वाले ११ साल के छात्र पर तेंदुए ने हमला कर दिया. यह घटना उस समय हुई जब बच्चा रोज की तरह जंगल वाले रास्ते से अपने घर लौट रहा था. अचानक हुए हमले से इलाके में हड़कंप मच गया, लेकिन बच्चों की सूझबूझ और बहादुरी ने एक बड़ी अनहोनी को टाल दिया.

पीड़ित छात्र मयंक विष्णु कुवरा (उम्र ११) रोज स्कूल से घर तक ४ किलोमीटर जंगल रास्ते से जाता था. शाम को छुट्टी के बाद वह अपने घर माला पाडवीपाड़ा लौट रहा था. रास्ते में घात लगाए बैठे तेंदुए ने अचानक उस पर झपट्टा मारा.

तेंदुए के पंजे सीधे मयंक के स्कूल बैग पर पड़े, जिससे उसका सीना और पीठ बच गई. यही बैग उसकी जान की सबसे बड़ी ढाल साबित हुआ. हालांकि तेंदुए के नुकीले पंजों से उसके हाथ पर गहरी चोटें आईं. बाद में हाथ पर कई टांके लगाने पड़े.

हमले के दौरान मयंक डरने के बजाय जोर-जोर से चिल्लाता रहा. उसके साथ मौजूद एक अन्य बच्चे ने हिम्मत दिखाते हुए तेंदुए पर पत्थर फेंकने शुरू कर दिए. बच्चों की आवाज और पत्थरबाजी देखकर तेंदुआ घबरा गया और जंगल की तरफ भाग गया.

इसी दौरान आसपास के कुछ ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए, जिससे तेंदुआ पूरी तरह पीछे हट गया. बच्चों के इस साहस की पूरे क्षेत्र में जमकर सराहना हो रही है.

त्रिभाषा नीति निर्धारण समिति बुधवार (दि. २६) को विभाग में आएगी

छत्रपती संभाजीनगर, दि. २१ (जिमाका) - राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० के अनुसार राज्य की सभी स्कूलों में त्रिभाषा फॉर्मूला लागू करने के संबंध में राज्य सरकार द्वारा गठित डॉ. नरेंद्र जाधव की अध्यक्षता वाली समिति लोगों की राय जानने के लिए बुधवार दिनांक २६ नवंबर को छत्रपती संभाजीनगर आ रही है।

इस संबंध में जिलाधिकारी दिलीप स्वामी ने पूर्व तैयारी का जायजा लिया। बैठक में शिक्षा उपसंचालक कैलास दातखीळ, शिक्षा अधिकारी (प्राथमिक) जयश्री चव्हाण, शिक्षा अधिकारी (योजना) अरुण शिंदे, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य डॉ. राजेंद्र कांबळे, डॉ. विशाल तायडे, विवेकानंद महाविद्यालय के प्रो. केशरचंद राठोड, पवनकुमार गोरे, देवगिरी महाविद्यालय की प्रो. डॉ. समिता जाधव, डॉ. एम.एफ. मेवाड, पुलिस निरीक्षक शिवाजी तावरे आदि उपस्थित थे।

बैठक में जानकारी दी गई कि त्रिभाषा नीति निर्धारण समिति २५ नवंबर की रात को जिले में पहुँचेगी और बुधवार २६ नवंबर को सुबह ११ बजे से एमआईटी कॉलेज के आनंद सभागृह में समिति विभिन्न घटकों से मिलेगी। इसमें भाषा विशेषज्ञ, साहित्यकार, शिक्षा विशेषज्ञ, बाल मनोवैज्ञानिक, शिक्षाविद्, शिक्षण संस्था संचालक, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, मीडिया प्रतिनिधि, शिक्षक-पालक संघ आदि उपस्थित रहेंगे। समिति इन सभी की राय सुनेगी।

समिति का स्वरूप :

अध्यक्ष - डॉ. नरेंद्र जाधव

सदस्य - डॉ. सदानंद मोरे, डॉ. वामन केंद्रे, डॉ. अपर्णा मॉरिस, डॉ. सोनल कुलकर्णी, डॉ. मधुश्री सावजी, डॉ. भूषण शुक्ल

सदस्य सचिव - संजय यादव (राज्य प्रकल्प संचालक, समग्र शिक्षा अभियान)

समिति सभी घटकों के विशेषज्ञों की राय सुनकर उनसे संवाद करेगी। विभाग के पाँचों जिलों के लोग इसमें भाग लेकर अपनी राय रख सकेंगे। बाहर के जिलों के उन लोगों के लिए जो यहाँ व्यक्तिगत रूप से नहीं आ सकते, उनके लिए संबंधित जिले से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (दूरदृष्य प्रणाली) की सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश जिलाधिकारी दिलीप स्वामी ने दिए हैं।

पान १ वरून

चिमुकली पर अत्याचार करने वाले...

इंसानियत को कलंकित करने वाले नराधम को तत्काल कठोर सजा देकर फांसी दी जाए या उसका एनकाउंटर किया जाए, ऐसी मांग गेवराई सराफा एवं सुवर्णकार संघटना की ओर से की गई।

इस दर्दनाक घटना के विरोध में दिनांक २१ नवंबर २०२५ (शुक्रवार) को गेवराई शहर में लाल बहादुर शास्त्री जी की प्रतिमा से पुलिस स्टेशन और तहसील कार्यालय तक विशाल मोर्चा निकाला गया। इस दौरान तहसीलदार और पुलिस इंस्पेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में निम्नलिखित मांगें की गईं:

अत्याचार की इस घटना की जांच में कोई कोताही न बरती जाए, पूरी तत्परता और तेजी से जांच कर जल्द से जल्द चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की जाए।

यह मुकदमा फास्ट-ट्रैक विशेष अदालत में चलाया जाए।

मुख्य आरोपी के साथ-साथ इसमें सहयोग करने वालों को भी सह-आरोपी बनाकर उनपर भी मुकदमा चलाया जाए।

पीड़ित बच्ची के परिवार को सरकार की ओर से पुलिस सुरक्षा और आर्थिक मदद दी जाए।

महिलाओं एवं बच्चों पर होने वाले किसी भी अत्याचार के मामले में प्रशासन गंभीरता से संज्ञान ले और सख्त से सख्त कार्रवाई का नीति अमल में लाए, ताकि अपराधियों में भय बना रहे।

इस अवसर पर बाळराजे पवार, युधाजित पंडित, महेश दाभाडे, ऋषिकेश बेदरे, अमोल करांडे, दिनकर शिंदे, राजेंद्र मोटे, उद्धव मडके, अभिषेक दाभाडे, राजेश टाक, वैभव शहाणे, रामानंद तपासे, सोपान मडके, मनोज टाक, शिनुभाऊ बेदरे, शामराव उडणसिंह, राधेश्याम येवले, रवी दहिवाळ, डॉ. अभिजीत येवले, राजू मोटे, महेश सौंदरमल, प्रशांत राख, अतुल हाके, संतोष भोसले, अनिल अंगुडे, शिवाजी दहिवाळ, सखाहरी अंबिलवादे, माऊली टाक, राधाकिसन मोटे सहित सैकड़ों गेवराई वासियों ने मोर्चे में हिस्सा लिया।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कार्रवाई रद्द करने...

मुकदमा रद्द किया जाए। उसने सिर्फ तत्कालीन गृहमंत्री अनिल देशमुख के आदेश का पालन किया था, मनी लॉन्ड्रिंग में उसकी कोई प्रत्यक्ष भूमिका नहीं थी।

सचिन वाझे पर आरोप क्या हैं?

मुंबई के तत्कालीन पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह को एंटीलिया जिलेटिन कांड के बाद पद से हटाए जाने पर उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर अनिल देशमुख पर पद व अधिकार के दुरुपयोग का आरोप लगाया था। परमबीर ने दावा किया था कि देशमुख ने सचिन वाझे को बार-रेस्टोरेंट से हर महीने १०० करोड़ रुपये वसूलने का टारगेट दिया था। इसी कथित १०० करोड़ की उगाही के मामले में मुंबई हाईकोर्ट के निर्देश पर सीबीआई ने केस दर्ज कर जांच शुरू की थी।

क्या था पूरा मामला?

ईडी ने इस प्रकरण में अनिल देशमुख सहित कई लोगों को गिरफ्तार किया था। अप्रैल २०२२ में जब सभी आरोपी न्यायिक हिरासत में थे, तब सीबीआई ने आर्थर रोड जेल से अनिल देशमुख, संजीव पालांडे, कुंदन शिंदे और सचिन वाझे को हिरासत में लिया था।

इससे पहले मुकेश अंबानी के घर 'एंटीलिया' के बाहर जिलेटिन स्टिक और धमकी भरा पत्र रखी स्कॉर्पियो गाड़ी बिना नंबर प्लेट के छोड़ी गई थी। कुछ दिन बाद उस गाड़ी के मालिक मनसुख हिरेन की संदिग्ध मौत हो गई थी, जिसके बाद एनआईए ने सचिन वाझे को गिरफ्तार किया था।

भाजपा महायुती सरकार में महिलाओं...

का नाम है, फिर भी मुख्यमंत्री और गृहमंत्री ने बिना जांच के उन्हें क्लीन चिट दे दी। आज तक डॉ. मुंडे को न्याय नहीं मिला, जबकि आरोपी सरकार के संरक्षण में बेखौफ घूम रहा है।

मालेगांव की घटना से जनता में भयंकर आक्रोश है। आरोपी को को कोर्ट में पेश करने पर जनता का विस्फोटक गुस्सा सबने देखा। अगर सरकार अब भी नहीं जागी तो जनता का यह गुस्सा आपकी कुर्सियां उखाड़ फेंकेगा, ऐसी कड़ी चेतावनी हर्षवर्धन सपकाल ने दी है।

प्रदेशाध्यक्ष का जोरदार प्रचार

प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने शुक्रवार को छत्रपति संभाजीनगर जिले के फुलंब्री व पैठण में स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनाव को लेकर समीक्षा बैठक एवं कार्यकर्ता सम्मेलन किया तथा भोकरदन में चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान सांसद डॉ. कल्याण काले, पूर्व सांसद तुकाराम रेंगे पाटिल, सेवादल प्रदेशाध्यक्ष विलास औताडे, संभाजीनगर ग्रामीण जिलाध्यक्ष किरण पाटील डोणगावकर, प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र राख, कल्याण दले, प्रदेश सचिव कमाल फारूकी आदि उपस्थित थे।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com